सोमवार

11 नवम्बर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 270
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

विभिन्न मांगों को लेकर उपनलकर्मियों ने किया सचिवालय कूच

हमारे संवाददाता

देहरादून। समान वेतन व नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर उपनलकर्मियों ने आज सचिवालय कूच किया। उपनल कर्मियों को कहना है कि यदि उनकी मांगों पर सरकार द्वारा शाम तक कोई निर्णय नहीं लिया जाता तो वह अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए बाध्य होगें।

अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आज उपनलकर्मी परेड मैदान में एकत्रित हुए। जहां से उन्होने जुलूस की शक्ल में सचिवालय कूच किया। हालांकि पुलिस ने उन्हे सचिवालय से पहले ही सुभाष रोड पर बैरिकेंटिग लगाकर रोक दिया गया। इस दौरान उपनलकर्मियों और पुलिस बल के बीच हल्की फुलकी झड़प भी हुई। जिसके बाद उपनलकर्मी वहीं सड़क पर धरना देकर बैठ गये और उन्होने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

उपनल संयुक्त मोर्चा के प्रदेश संयोजक विनोद गोदियाल ने बताया कि नैनीताल हाईकोर्ट का वर्ष 2018 के आदेश लागू कर समान कार्य के लिए समान वेतन व नियमितीकरण की मांग को लेकर उपनल कर्मियों द्वारा सचिवालय कूच किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार और सरकार के कोई भी प्रतिनिधि यदि शाम तक उन्हे वार्ता के लिए नहीं बुलाते हैं, और या वह कोई ठोस निर्णय नहीं लेते हैं तो सभी उपनल कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए बाध्य हो जाएंगे। जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। समाचार लिखे जाने तक उपनलकर्मियों को धरना प्रदर्शन जारी था।

एक नजर

पुलिस की वर्दी पहन ठगी करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों से ठगी करने वाले को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहूंवाला माफी निवासी आदित्य आनन्द ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी दुकान आनन्द कोमीवेशन चौहान मोहल्ला माफी पर पुलिस की वर्द्री मे एक आदमी आया जिसकी नेम प्लेट पर जौनी सिह नाम लिखा था ओर उसने बताया की वह थाना पटेलनगर मे तैनात है और पुलिस का सम्मान करते हुऐ उसने उसके कहने पर एयरटेल पेमन्ट बैक एजेन्ट के उकाउन्ट से उसने उसके एकाऊन्ट मे 47 हजार रुपये ट्रांसपर कर दिये ओर वह पैसे मांगने पर वह बोलने लगा अभी रुक जाआ फिर बार बार कहने पर वह पुलिस की धमकी देने लगा कि जो होता है वह कर लो फिर उसने 100 नम्बर पर फोन करा फिर कुछ ही देरी में चीता पुलीस पहुंच गयी तो उनके बारे मे जानकारी ली गयी तो उसे पता चला कि यह आदमी तो इससे पहले भी कई लोगो से ठगी कर चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कॉलेज परिसर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने डीएवी कॉलेज परिसर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मियांवाला निवासी हरीश चौहान ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से डीएवी कालेज गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल वही परिसर में खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दून वैली मेल

संपादकीय

नए विवाद, नई चुनौती

उत्तराखंड की राजनीति में इन दिनों जिस तरह की उठा पटक चल रही है उसके क्या नतीजा सामने आएंगे भले ही इसके बारे में अभी कहना जल्दबाजी होगा लेकिन सचिवालय में बॉबी पवार और मीनाक्षी सुंदरम के बीच हुआ टकराव अब सरकार और भाजपा के लिए तो एक नई मुसीबत बन ही चुका है साथ ही सीएम धामी के लिए बड़ी सरदर्दी बन चुका है। राज्य के भ्रष्टाचार और अधिकारियों के खिलाफ बॉबी पवार का आंदोलन अब एक कदम और आगे जाकर मुख्यमंत्री धामी तक पहुंच गया है। जो अब केदारनाथ चुनाव हराने और मुख्यमंत्री धामी को हराने की खुली चुनौती दे रहे हैं। खास बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और कांग्रेस के नेता भी उनके सुर में सुर मिला रहे हैं। भले ही बात नई न हो लेकिन उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने की यह चर्चा आम हो चुकी है। दरअसल इसकी शुरुआत कुछ ही महीने पहले पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत द्वारा पार्टी के ही एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में बोलते हुए कहा था कि जो आज मंच पर आगे बैठे हैं वह कल पीछे बैठे होंगे और जो पीछे बैठे हैं वह आगे। भाजपा को कार्यकर्ताओं की पार्टी बताते हुए उन्होंने नेताओं को लताड़ा था कि कोई भी कार्यकर्ता छोटा नहीं होता है और सभी का सम्मान जरूरी है। इसके बाद इस मुद्दे को थोड़ी सी हवा भाजपा के मंगलौर और बद्रीनाथ सीट के उपचुनाव में हार से भी मिली। जिसे अब केदारनाथ उपचुनाव की जीत हार से जोड़ दिया गया है। बात एकदम साफ है कि अगर सत्ता में रहते हुए भाजपा केदारनाथ का उपचुनाव भी अगर हारती है तो इस लगातार तीसरी हार को पचा पाना न तो प्रदेश भाजपा के नेताओं को गंवारा होगा और न केंद्रीय नेताओं को। तथा इससे प्रभावित हुए बिना न तो सरकार रह सकेगी और न संगठन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। अब सचिवालय विवाद इस अध्याय में एक और नई कड़ी बनकर जुड़ चुका है। मुख्यमंत्री धामी को अपने अधिकारियों को भी साधना है और विपक्षी नेताओं के हमलो का भी जवाब एक साथ देना है। भले ही यह दिखने में आसान लग रहा हो लेकिन कितना कठिन है इस बात को बॉबी पंवार की गिरफ्तारी से ही लगाया जा सकता है। उधर मूल निवास और भू कानून के मुद्दे को लेकर पहले ही प्रदेश में विरोध की चिंगारी धधक रही है। मुख्यमंत्री के बयानों पर लोग भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी जो यूसीसी लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ते दिख रहे हैं अब उसका भी कहीं कोई जिक्र नहीं हो रहा है। केदारनाथ चुनाव पर अब सारा दारोमदार आकर टिक गया है। 3 नवंबर को केदारनाथ के क्या चुनावी नतीजे आते हैं वह प्रदेश की भावी राजनीति की दिशा व दशा को तय करने वाले होंगे। भाजपा सरकार और सीएम धामी इसके बाद किस स्थिति में होंगे यह चुनावी नतीजे ही बताएंगे। फिलहाल भाजपा थोड़ी मुश्किलों में जरूर दिख रही है लेकिन इस मुश्किल का हल भी केदारनाथ जीत ही हो सकता है और कुछ नहीं।

कांग्रेसियों ने किया सरकार का पुतला दहन

हमारे संवाददाता

देहरादून। पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार तथा कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा के संयुक्त नेतृत्व में व्यापार प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं नें कांग्रेस नेताओं पर भाजपा द्वारा की जा रही दमनात्मक कार्यवाही के विरोध में डिस्पेंसरी रोड़ स्थित सब्जी मंडी में सरकार का पुतला दहन किया गया।

इस दौरान लाल चंद शर्मा नें कहा कि कांग्रेस नेता और प्रतिष्ठित व्यापारी माधव अग्रवाल तथा उनके पिता इंद्र प्रकाश अग्रवाल के खिलाफ गुंडा एक्ट में पौड़ी पुलिस की कार्यवाही निंदनीय है। कहा कि पूर्व में भी प्रशासन ने सरकार के दबाव में पार्षद संगीता गुप्ता एवं सतीश पर इसी प्रकार की कार्रवाई की थी, जब बच्चे की गुमशुदगी को लेकर लोगों द्वारा घंटाघर में जाम लगा दिया गया जो की निंदनीय है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए की विपक्ष पर ही इस तरह की कार्रवाई क्यों की जा रही है जबकि पूर्व में भी विभिन्न राजनैतिक दलों से जुड़े लोगों नें इस तरह मार्ग अवरुद्ध किया है।

पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा है कि यह कार्रवाई राजनीतिक षड्यंत्र के तहत की गई है और यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल परिवार ने हमेशा क्षेत्र की जनसमस्याओं के लिए आवाज उठाई है, खासकर अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में उन्होंने मुखर होकर आवाज उठाई। लाल चंद शर्मा एवं व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा नें संयुक्त रूप से सभी कांग्रेसियों से अपील की है कि वे अग्रवाल के साथ एकजुट होकर न्याय की लड़ाई में सहयोग करें। उन्होंने कहा है कि पूरा कांग्रेस परिवार अग्रवाल के साथ खड़ा है और न्याय मिलने तक खड़ा रहेगा। सुनील कुमार बांगा नें कहा कि सरकार व्यापारी वर्ग का उत्पीड़न कर रही है, जो कि अस्वीकार्य है, यदि राज्य सरकार इसी तरह से व्यापारियों का उत्पीड़न करेगी तो व्यापारी वर्ग आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान पार्षद दीप वोहरा, राकेश मित्तल, राजेश पंवार, सोम वाल्मीकि, अर्जुन सोनकर, आशु रतूड़ी, अशोक कोहली, अनूप कपूर, मनोज कुमार अजीत सिंह, राम कपूर सहित कई लोग मौजूद रहे।

'पर्वत पर्व' में आधुनिकता के साथ पहाड़ी संस्कृति का समागमः थापर

हमारे संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार रोड़ स्थित 'माल ऑफ देहरादून' में उत्तराखंड राज्य-स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय 'पर्वत पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पहाड़ी लोक गयक, कलाकार व अन्य कार्यक्रमों को आधुनिकता के साथ प्रस्तुति की जा रही है।

पर्वत-पर्व के द्वितीय दिवस में मुख्य अतिथि बॉलीवुड के निर्देशक भारत कुकरेती के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में कांग्रेस प्रवक्ता व श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने भाग लिया और उन्होंने अपने विचार रखे। भारत कुकरेती ने कहा कि पर्वत-पर्व का आयोजन क्षेत्रीय कलाकारों को मंच प्रदान करने का बेहतरीन तरीका है और उन्होने आयोजकों को इस कार्यक्रम के लिए बधाई दी। अभिनव थापर ने कहा कि 'पर्वत-पर्व' में आधुनिकता के साथ पहाड़ी संस्कृति का समागम है जो अपने आप में प्रस्तुति करने का अद्धभुत तरीका है।

'पर्वत पर्व' कार्यक्रम में पारंपरिक आरती करी गयी और फिर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गढ़वाली गायक रोहित चौहान द्वारा गढ़वाली गीतों के धमाल से शानदार प्रस्तुति ने रंग जमा दिया और सैकडों युवा रोहित चौहान के गढ़वाली गीतों पर जमकर थिरकते रहे। कार्यक्रम की संयोजक देविका तिवारी ने समस्त अतिथियों का स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में भारत कुकरेती, अभिनव थापर, देविका तिवारी, आशुतोष मिश्रा, राकेश भट्ट व अन्य ने भाग लिया।

मृतका के फर्जी हस्ताक्षर कर सम्पत्ति कब्जाने का प्रयास

संवाददाता

देहरादून। मृतका के फर्जी हस्ताक्षर कर सम्पत्ति कब्जाने के प्रयास के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड डालनवाला निवासी समीर नरूला ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके पिता स्व. रामचन्द्र नरूला की गांधी रोड, देहरादून स्थित एक दुकान / सम्पत्ति है जो कि उसके पिता की मृत्यु के उपरांत उसकी माता श्रीमती राजकुमारी नरूला के नाम नगर निगम में सभी अभिलेखों में बतौर मालिक/स्वामी दर्ज चली आ रही है, जिसके दस्तावेज (रजिस्ट्री, आदि) उनके पास है। कुछ समय पूर्व जब वह अपनी उक्त दुकान को फ्री होल्ड कराने हेतु एमडीडीए में प्रार्थना पत्र प्रेषित किया तब उसको यह ज्ञात हुआ कि मनोज कुमार नरूला द्वारा उसकी माता राजकुमारी नरूला के फर्जी हस्ताक्षर कर व फर्जी दस्तावेज बनाकर नगर निगम व एमडीडीए में फ्री होल्ड की प्रक्रिया हेतु प्रस्तुत किये व आवेदन किया कि उक्त सम्पत्ति पर मनोज कुमार का कोई वास्ता/सरोकार नहीं है। इसके अतिरिक्त उसके पिता की फर्जी वसीयत भी बनायी व जाली हस्ताक्षर कर उक्त सम्पत्ति को मनोज नरूला ने अपने नाम करवाने का प्रयास किया। इसके उपरांत जानकारी मिलने पर उसके द्वारा एमडीडीए के सचिव/चेयरमैन एवं ड्रिस्टीक कलेक्टर देहरादून को शिकायती पत्र प्रेषित कर अपने उक्त सम्पत्ति का फ्री होल्ड निरस्त कराया गया। उक्त सम्बन्ध में उसके द्वारा प्रभारी निरिक्षक कोतवाली देहरादून को डाक से प्रार्थना पत्र प्रेषित किया गया था, लेकिन उक्त प्रार्थना पत्र पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही आज तक नहीं हुई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने गुमानीवाला के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 57 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम उदय सिंह पुत्र चन्दन सिंह निवासी गुमानीवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वर्क संस्था ने इंद्रेश हॉस्पिटल में बांटा भोजन

संवाददाता

देहरादून। वर्क संस्था ने महंत इंद्रेश हास्पिटल में मरीजों व उनके तिमारदारों को भोजन बांटा।

आज यहां वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज के कार्यकर्ताओं ने पटेल नगर महंत इंद्रेश हॉस्पिटल के पास फ्री फूड सेवा का आयोजन किया। कार्यकर्ताओं ने चावल और सोयाबीन की ताहरी बनाकर लोगों के बीच भोजन बांटने का काम किया जिसको सभी आसपास के लोग व राह चलते लोगों ने ग्रहण कर धन्यवाद दिया और प्रसन्नता जाहिर की।

विदित रहे की वर्क इस प्रकार के कार्य लगातार वर्षों से कर रहा है जब जिस जगह किसी कार्य की जरूरत पेश आती है तो वह वहां जनसेवा समाजसेवा के कार्य करने में जुट जाते हैं और कभी पानी, कभी शरबत, कभी खाना कभी फल, कभी जरूरतमंदों को कपड़ा और हर दीन दुखी की सेवा में वर्क संस्था तत्पर तैयार रहती है इससे पूर्व में वर्क संस्था इस प्रकार के काम लगातार वर्षों से कर रही है जिससे कार्यकर्ताओं का कहना है ऐसा करने से मानव सेवा होती है सभी धर्म इस प्रकार की शिक्षा देते हैं और ऐसा करने से मन की शांति और संतुष्टि प्राप्त होती है और समाज का भला होता है जरूरतमंद को उनकी जरूरत का खाना पानी कपड़ा या पर्याप्त चीज उस तक पहुंच जाती है एसा करके वर्क अपने आप को खुश महसूस करता है और ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि में अपना सहयोग प्रदान कर औरों को भी प्रेरित करने का काम करता है कार्यकर्ताओं का कहना है कि एसा हम सब मिल कर करें तो हमारा भारत देश जल्द अखंड भारत बनकर विश्व गुरु की श्रेणी में खड़ा होगा।

इस अवसर पर वर्क के आरिफ वारसी, मोहम्मद फैजान, इलियास कुरैशी, मोहम्मद शादाब, मोहम्मद फरमान, ओम, फरमान, डॉक्टर मदनी, अतीक, प्रभात डंडरियाल, आशु, जाहरा, फायेजा, अरहान आदि मोजूद रहे।

पढ़ाई का बढ़ता बोझ बच्चों को बना रहा आक्रामक!

बच्चों पर बढ़ता पढ़ाई का दबाव अब खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है। बच्चों पर स्कूल बैग के बढ़ते बोझ, पढ़ाई के साथ-साथ दूसरी चीजों में भी अव्वल होने का दबाव रहता है। वहीं इस पर न तो स्कूलों की ओर से ध्यान दिया जा रहा है और न ही अभिभावक इसे गंभीरता से ले रहे हैं। इस बारे में कंसल्टेंट साइकॉलजिस्ट का मानना है कि पहले इतना दबाव नहीं था लेकिन आजकल माता-पिता का नंबरों से ऑब्सेशन हो गया है। वे बच्चे की वीकनेस या खूबियां देखना ही नहीं चाहते। किसी भी बच्चे के दोष को देखने के साथ उसकी जड़ देखनी भी जरूरी है। परिवार के महौल का बहुत असर पड़ता है।

टीचर के पास कई बच्चे होते हैं, वे हर एक बच्चे पर ध्यान नहीं दे पाते। अगर बच्चा पढ़ाई में मन नहीं लगाता तो वे टीचर के भी खिलाफहो जाते हैं जबकि ऐसी स्थिति में टीचर और अभिभाव दोनों को मिलकर रास्ता निकालना चाहिए कि कहीं बात इतनी न बिगड़ जाए। आजकल बच्चों में तकनीक का एक्सपोजर ज्यादा है लेकिन उसका इस्तेमाल सही तरीके से कैसे किया जाए ये बच्चे नहीं जानते। इन सबके पीछे तीन तरह के फैक्टर काम करते हैं।

एक बार लखनऊ में एक छात्र ने अपनी मां के फोन से पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके स्कूल में बम रखे होने की सूचना दे दी थी। स्कूल की छुट्टी कर दी गई और जांच में सामने आ गया कि यह कारनाम स्कूल के एक बच्चे का ही था। बच्चे से जब पूछा गया कि उसने ऐसा क्यों किया तो वह बोला, पापा जबदस्ती स्कूल भेज रहे थे तो उसके दिमाग में यह आइडिया आ गया। उसने पुलिस को कॉल करके मां का फोन भी स्विच ऑफकर दिया था। उसने यह भी बताया कि यह आइडिया उसे टीवी सीरियल देखकर आया था। इन सबके पीछे तीन फैक्टर काम करते हैं। नोवैलिटी सीकिंग (कुछ नया सीखने की चाहत), सेल्फकंट्रोल (खुद पर नियंत्रण) और सेंसेशन सीकिंग (एक्साइटमेंट की चाह)। बच्चों के पास बहुत सारे साधन हैं जिससे वे कुछ न कुछ नया सीखते रहते हैं लेकिन इसे इस्तेमाल करने का नियंत्रण उनके पास नहीं होता है। कभी-कभी एक्साइटमेंट की चाहत में भी बच्चे ऐसे कदम उठाते हैं।

माता-पिता को यह समझना चाहिए कि पढ़ाई में अव्वल होना या सबसे ज्यादा नंबर लाना ही सबकुछ नहीं। अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता है तो उसकी और खूबियों पर ध्यान दे और प्रोत्साहित करें। बच्चे इंटरनेट और टीवी पर क्या देख रहे हैं, उस पर कैसे रिऐक्ट कर रहे हैं, इसका ध्यान भी रखें। बच्चे पढ़ाई को लेकर स्ट्रेस में हैं तो उनसे बात करें, जरूरी लगे तो काउंसलर की सलाह लें। बच्चा पढ़ाई में कमजोर हो तो इस बात का दोष टीचर को न दें बल्कि बात करके उसकी दूसरी खूबियों को जानें और निखारें। हर बच्चा पढ़ाई में टॉप नहीं करता, इस बात को समझें और बच्चे पर प्रेशर न बनाएं। पढ़ाई को हौव्वा न बनाएंबच्चा परेशान दिखे तो उसके मां-बाप से जरूर बात करें। उसे रुचि के क्षेत्र में प्रोत्साहन दें।

शादी के दिन नहीं हटेंगी आप पर से नजरें

शादी एक ऐसा अवसर है जब सभी की नजरें आप पर रहती हैं। इसलिए शादी के दिन हर लड़की खूबसूरत व आकर्षक नजर आना चाहती है। ऐसे में आपको खूबसूरत लुक देने में सिर्फआकर्षक परिधान ही नहीं, बल्कि आपकी त्वचा भी अहमियत रखती है। अपनी शादी से 45 दिन पहले त्वचा की देखभाल शुरू कर दें। अपनी त्वचा के प्रकार को समझने की कोशिश करें कि यह तैलीय, रूखी, संवेदनशील या सामान्य है।

दुल्हन बनने जा रही कुछ लड़कियां शादी के ठीक पहले त्वचा को लेकर प्रयोग करना शुरू कर देती हैं। शादी के ठीक पहले कुछ भी नया इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचने की संभावना भी रहती है। आपके पास जीवन के इस खास दिन तैयार होने के लिए जितना ज्यादा समय होगा, आपकी त्वचा उतनी ही अच्छी दिखेगी।

शादी से करीब एक महीने पहले घरेलू उपाय अपनाना शुरू कर दें, जिसमें आपकी त्वचा के अनुसार क्लींजर, टोनर और मॉइश्चराइजर शामिल हैं। त्वचा की गहराई से सफाई के लिए आप चाहे तो वॉलनट पील स्क्रब या कच्चा दूध और बादाम पाउडर स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती है। इसे आसानी से घर पर बनाया जा सकता है और यह सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त है।

शादी के दिन से करीब तीन सप्ताह पहले कम से कम दो स्किन रिजुवनेटिंग (त्वचा में कसाव लाने के लिए) ट्रीटमेंट जरूर लें। इससे त्वचा में कसाव आएगा, रोम छिद्र खुल जाएंगे और सुपरफिशियल टैन भी हट जाएगा। शादी से दो सप्ताह पहले क्रिस्टल अब्रेशन कराएं, जिससे त्वचा मुलायम होगी। इस तरह का ट्रीटमेंट कराने से पहले किसी त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर कर लें। हर प्रक्रिया के लिए एक समय-सीमा निर्धारित कर लें।यह सिर्फ आपके चेहरे के बारे में नहीं है, बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों के लिए भी है, जिस प्रकार आप चेहरे पर मॉइश्चराइजर, सनस्क्रीन या एंटी-एजिंग उत्पाद लगाती हैं, उसी तरह गर्दन पर भी लगाएं। शादी से दो दिन पहले मसाज, बॉडी थेरेपी या बॉडी ट्रीटमेंट से आप खुद को तरोताजा महसूस करा सकती हैं। इसके साथ ही अच्छी नींद और पौष्टिक आहार लें।

बच्चों के लंच बॉक्स में बनाकर दें ये स्वादिष्ट व्यंजन, आसान हैं इनकी रेसिपी

अगर आपका बच्चा स्कूल जाता है तो यकीनन आपको हर दिन इस सवाल से रू-ब-रू होना पड़ता होगा कि उसे लंच बॉक्स में ऐसा क्या दिया जाए, जिसे वह चाव से खाए? अगर हां, तो आपकी इस उलझन को हम खत्म कर देते हैं और कुछ ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आपका बच्चा बहुत शौक से खाएगा और आपको हर दिन बनाने को कहेगा। सबसे अच्छी बात है कि इन व्यंजनों को बनाना कुछ मिनट का काम है।

वेजिटेबल रेप्स

वेजिटेबल रेप्स का सेवन करना न सिर्फ आपके बच्चे को काफी पसंद आएगा बल्कि भरपूर पोषण भी प्रदान करेगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में आवश्यकतानुसार मेयोनीज़, एक चौथाई छोटी चम्मच काली मिर्च पाउडर, मस्टर्ड पाउडर, लहसुन (पीसा हुआ), जैतून का तेल और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें कुछ केल की पत्तियां और सब्जियां मिलाएं। अब पकी रोटियों पर इस मिश्रण को फैलाकर लगाएं और इसका रोल बनाएं।

सोया फ्राइड राइस

सोया फ्राइड राइस कई विटामिन्स और मिनरल्स से युक्त होता है, इसलिए बच्चों को इसका सेवन करवाना फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाही में थोड़ा कुकिंग ऑयल गर्म करें, फिर इसमें बारीक कटा हुआ अदरक, लहसुन, गाजर, शिमला मिर्च, फ्रेंच बीन्स डालें और इन्हें नरम होने तक पकाएं। अब कढ़ाही में नमक, सिरका, सोया सॉस मिलाएं, फिर इसमें पके हुए चावल और सोयाबीन मिलाकर एक से दो मिनट पकाएं, फिर इसे परोसें।

ओट्स उपमा

सबसे पहले आवश्यकतानुसार ओट्स को धोकर अलग रख लें। इसके बाद एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करके उसमें थोड़ी राई, जीरा, करी पत्ता, मूंगफली और चना दाल डालें। फिर दाल जब हल्की भूरी हो जाए तो पैन में लंबे कटे प्याज, हरी मिर्च और अपनी पसंदीदा सब्जियां डालकर 15-20 मिनट तक पकाएं। अब पैन में ओट्स और स्वादानुसार नमक डालें और 8-10 मिनट तक पकाएं।

लिपस्टिक लगाने का सही तरीका...

लिपस्टिक लगाने से आपकी खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है पर अगर ये सही तरीके से न लगे तो अच्छी नहीं लगती। इसलिए जब भी आप लिपस्टिक लगायें तो कुछ बातों का ध्यान रखें। कई बार लिपस्टिक लगाते समय वह हमारे दांतों पर लग जाती है। लिपस्टिक को ऐसे लगायें कि वह दांतों पर न लगे। इसके लिए कुछ आसान उपाय हैं, जिनका आपको पालन करना होगा। मैट लिपस्टिक का प्रयोग करेंरू मैट लिपस्टिक इधर-उधर नहीं फैलती है। अगर आपके दांतों में लिपस्टिक लग जाती है तो आपके लिए अच्छा होगा कि आप क्रीम और सैटिन लिप कलर्स से दूर रहें। लिक्विड मैट लिपस्टिक का प्रयोग करें। मैट से भी अच्छा लिक्विड मैट होता है। इस लिपस्टिक में शाइन होता है और यह लंबे समय तक ठीक रहती है।

उंगली से बाहर निकालें लिपस्टिकरू दांतों में लिपस्टिक लग जाने के बाद मुंह में कोई भी उंगली डालें. इससे फैली हुई लिपस्टिक उंगली से बाहर आ जाती है.

लिप लाइनर का प्रयोग करेंरू लिप लाइनर लगाने से लिपस्टिक लाइन के बाहर नहीं जाती और दांत पर भी नहीं फैलती।

टिश्यू का प्रयोग करेंरू दांतों पर लिपस्टिक जाने से रोकने के लिए होठों के बीच टिश्यू पेपर रखें। इससे दांतों पर लिपस्टिक का दाग नहीं लगता।

होठ को रगड़ लेंरू लिपस्टिक लगाने से पहले अपने होठों को अच्छी तरह से रगड़ लें। अगर होंठ चिकने नहीं है तो लिपस्टिक बह जाती है।

लिप ब्रश का प्रयोग करेंरू लिप ब्रश से एकदम अच्छे से लिपस्टिक लगती है और दांत में दाग भी नहीं लगते।

तनाव से दूर रखने में सहायक साबित हो सकता हैं योगाभ्यास

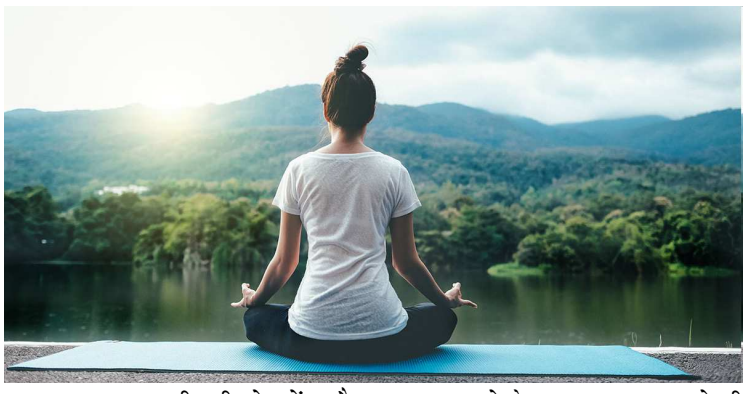

व्यस्त दिनचर्या और भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण आजकल हर किसी की जिंदगी तनावपूर्ण बन गई है और इसका दिमाग ही नहीं बल्कि पूरी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। यही कारण है कि डॉक्टर तनाव से बचने के लिए दिनचर्या में एक्सरसाइज शामिल करने की सलाह देते हैं। चलिए फिर आज जानते हैं कि दिनचर्या में किन एक्सरसाइज को शामिल करने से तनाव से दूरी बनाई जा सकती है।

योगाभ्यास

योगाभ्यास न सिर्फ आपके शारीरिक पॉश्चर को सुधारने में मदद कर सकता है, बल्कि शरीर को लचीला बनाने के साथ-साथ तनाव से दूर रखने में भी काफी हद तक मदद कर सकता है। विशेषकर अगर आप योगाभ्यास के तौर पर सांस संबंधी प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम, भ्रामरी या कपालभाति आदि का रोजाना अभ्यास करते हैं क्योंकि प्राणायाम एक जगह पर ध्यान केंद्रित कर दिमाग को शांत रखने में सहायक होते हैं और इससे तनाव से दूरी बनी रहती है।

पाइलेट्स

पाइलेट्स एक तरह की शारीरिक एक्सरसाइज होती है और इसका सीधा सकारात्मक असर शरीर की कोर स्ट्रेंथ और प्रॉपर एलाइमेंट पर पड़ता है। इस एक्सरसाइज को दिनचर्या में शामिल करने से न सिर्फ मांसपेशियों को मजबूती मिल सकती है, बल्कि बुरे हार्मोन्स से भी दूरी बनी रहती है जिससे तनाव भी दूर रहता है। तनाव दूर करने के अलावा पाइलेट्स करने से पीठ और गर्दन के दर्द से भी राहत मिलती है।

गार्डनिंग

सुनने में भले ही आपको अजीब लगे, लेकिन गार्डनिंग करके भी आप तनाव से दूरी बना सकते हैं। दरअसल, गार्डन की सफाई या फिर पेड़ों की छटाई करना किसी एक्सरसाइज से कम नहीं है और ऐसा करने पर आपका मूड अच्छा रहता है। अच्छा महसूस करने के कारण आप तनाव से भी दूर बने रहते हैं। दिन में रोजाना कुछ मिनट गार्डनिंग करना आपके लिए फायदेमंद सिद्ध हो सकता है।

आउटडोर गेम्स

अगर आप तनाव से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं तो रोजाना कुछ समय कोई आउटडोर गेम खेलें। टेनिस और बैडमिंटन जैसे आउटडोर गेम्स न सिर्फ तनाव को मैनेज कर सकते हैं, बल्कि इससे हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी कम किया जा सकता है। ये गेम खेलते वक्त आप खूब एन्जॉय करते हैं और इससे आपके दिमाग को राहत मिलती है और वह सकारात्मक बना रहता है।

कैंसर से बचाते हैं यह 6 सुपरफूड्स, आज से शुरू कर दें खाना

ऐसे में आज के समय में कई लोग कैंसर का शिकार हो जाते हैं। हालाँकि कैंसर से बचने के लिए कुछ सुपर फूड्स हैं जो आप अपने खाने में शामिल कर सकते हैं और कैंसर से बच सकते हैं। आज हम आपको उन्ही फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपको कैंसर से बचा सकते हैं।

कैंसर से बचाने के लिए सुपरफूड्स-

ब्रॉकली, गोभी, पत्तागोभी- ब्रिटेन के बेडफोर्ड हॉस्पिटल में 12 सालों तक डेढ़ लाख से अधिक ऐसे लोगों पर स्टडी की गई जो ब्रॉकली, गोभी, पत्तागोभी खा रहे थे। जी हाँ, इनमें कैंसर का खतरा कम हुआ। वहीं वैज्ञानिकों के मुताबिक, इन सभी सब्जियों के समूह को क्रूसीफेरस कहते हैं। जी दरअसल इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम ज़स्ज़ फूड में इस्तेमाल होने वाले रसायन, प्रदूषण फैलाने वाले रसायनों और कीटनाशक के असर से लड़ता है।

हल्दी- एक रिसर्च में भी साबित हो चुका है कि हल्दी सूजन और संक्रमण को दूर करती है। जी दरअसल इसमें मौजूद करक्यूमिन कैंसर का खतरा कम करता है। केवल यही नहीं बल्कि इसमें फायबर, विटामिंस और मिनिरल्स पाए जाते हैं। इसके अलावा हल्दी में मौजूद करक्यूमिन तत्व से कैंसर का इलाज किया जा सकता है।

अनार- अनार में पॉलिफिनॉल्स काफी मात्रा में पाया जाता है। जी हाँ और इसमें वायरस के संक्रमण से बचाने की खूबी होती है और कई तरह के कैंसर का खतरा भी घटाता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च में पाया गया है कि हल्दी, ब्रॉकली और अनार में ऐसा तत्व पाया जाता है जो प्रोस्टेट कैंसर की ग्रोथ को धीमा करता है।

नट्स- अखरोट, बादाम, काजू जैसे नट्स में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो बढ़ती उम्र के साथ होने वाली बीमारियों को घटाते हैं। जी हाँ और यह शरीर में ऐसे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाते हैं जो फायदा पहुंचाते हैं। जी दरअसल इनमें मौजूद ओमेगा-3 और 6 इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं।

टमाटर- टमाटर में लाइकोपीन पाया जाता है जो कैंसर को रोकता है। जी दरअसल शरीर में जिन कोशिकाओं के कारण कैंसर होता है, लाइकोपीन उन कोशिकाओं को खत्म करता है।

मिर्च- मिर्च पर कई रिसर्च हुई हैं, जो बताती हैं, यह कैंसर कोशिकाओं को फैलने से रोकता है। यह ब्रेस्ट और बॉवेल कैंसर का खतरा घटाता है।(आरएनएस)

रोजमर्रा के कई कामों को आसान बना सकते हैं फेस प्राइमर से जुड़े ये हैक्स

फेस प्राइमर एक तरह का मेकअप प्रोडक्ट है, जिसकी मदद से मेकअप बेस तैयार किया जाता है, लेकिन इसका इस्तेमाल सिर्फ यही तक सीमित नहीं है। अगर आपके पास कोई ऐसा फेस प्राइमर है, जो एक्सपायर हो चुका या फिर जिसका आप इस्तेमाल नहीं करते हैं तो उसे फेंकने के बजाय आप उसका इस्तेमाल विभिन्न तरीकों से कर सकते हैं। आइए आज आपको फेस प्राइमर से जुड़े कुछ अद्भुत हैक्स के बारे में बताते हैं।

मेकअप साफ करने के आए काम

रात को सोने से पहले अगर मेकअप न साफ किया जाए तो इससे त्वचा का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो आप मेकअप हटाने के लिए फेस प्राइमर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए मेकअप वाले चेहरे पर थोड़ा सा फेस प्राइमर लगाकर थोड़ी मसाज करें। इसके बाद अपने चेहरे को टिश्यू पेपर से पोंछ लें और अंत में अपना चेहरा पानी से धो लें।

बतौर शेविंग क्रीम करें इस्तेमाल

कई लोग शेविंग क्रीम खत्म होने पर साबुन का इस्तेमाल करने लगते हैं, लेकिन इससे त्वचा रूखी लगने लगती है। इस काम के लिए फेस प्राइमर का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि इससे त्वचा मॉइश्चराइज होती है। इसके अलावा, इसकी मदद से ब्लेड से त्वचा के कटने का डर भी नहीं रहता। इसके लिए शेविंग करते समय फेस प्राइमर को अपनी दाढ़ी वाले हिस्से पर लगाएं, फिर रेजर से अनचाहे बालों को साफ करें।

स्टीकर को आसानी से निकालें

अगर किसी नए बर्तन या किसी अन्य चीज पर लगे स्टीकर को निकालना काफी मुश्किल हो रहा है तो आप इस काम को आसान बनाने के लिए फेस प्राइमर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले स्टीकर वाली जगह पर थोड़ा फेस प्राइमर लगाकर उसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। ऐसा करने से स्टीकर्स की पकड़ कमजोर हो जाएगी, फिर आप चुटकियों में इस स्टीकर को निकाल सकेंगे। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

क्या आपको भी है हर टाइम नाखून खाने की आदत, जानें इसके पीछे की वजह

नाखून खाने की आदत को नेल बाइटिंग भी कहा जाता है। वहीं काफी बड़ी संख्या में लोग इस आदत का शिकार हो जाते हैं और फिर लाख कोशिशों के बाद भी इस आदत से छुटकारा नहीं मिल पाता है। यह आदत बच्चों और किशोरावस्था में काफी ज्यादा देखने को मिलती है। वहीं एक्सपर्ट के मुताबिक नेल बाइटिंग हमारी सेहत के लिए काफी ज्यादा हानिकारक है। वहीं अक्सर देखा गया है कि लोग नाखून स्ट्रेस और एंग्जायटी की वजह से चबाते है। आइए आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताते है।

इस वजह से चबाते है नाखून

काफी लोगों में ये दिक्कत एग्जाम, स्ट्रेस, एंग्जायटी, वर्कलोड जैसी दिक्कतों की वजह से नाखून चबाने लग जाते है। इसके अलावा काफी लोग बोरियत की वजह से भी नेल बाइटिंग करने लगते हैं। वहीं कुछ लोगों की नेल बाइटिंग आदत बन जाती है। जब यह आदत बन जाती है, तो व्यक्ति बिना सोचे समझे या बिना किसी विशेष कारण के नाखून चबाने लगते हैं।

इस कारण होती है ये दिक्कत

वहीं एक्सपर्ट के मुताबिक किशोरावस्था के दौरान हॉर्मोनल चेंजेस और शारीरिक बदलाव भी नेल बाइटिंग की आदत को बढ़ावा दे सकते हैं। इस दौरान मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव सामान्य होते हैं, जो इस आदत को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ रिसर्च की मानें तो नेल बाइटिंग एक जेनेटिक आदत हो सकती है। अगर परिवार के किसी सदस्य में यह आदत है, तो यह बाकी लोगों को भी हो सकती है।

क्या होता है इससे नुकसान

एक्सपर्ट के अनुसार नाखून चबाने से होथों और मुंह में इंफेक्शन का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वहीं लगातार नाखून चबाने से नाखूनों की क्वालिटी भी खराब हो जाती है और इससे आसपास की स्किन में भी काफी बीमारियां फैल जाती है। वहीं नाखून चबाने का इस पर काफी असर पड़ता है और कई तरह की परेशानियां पैदा हो सकती हैं।

खूबसूरती निखारने घर पर ही बनाये फ्रूट पैक

हर कोई दमकती हुई त्वचा चाहता है। इसके लिए हम बाजार से महंगी क्रीम भी खरीद लेते हैं लेकिन इन क्रीम्स के ज्यादा इस्तेमाल से स्किन खराब ही होती है। शुरू में आपको त्वचा पर निखार जरूर दिखेगा, लेकिन बाद में रसायनों की अधिकता से संक्रमण का डर रहता है। इसीलिए घर पर ही बिना रसायनों के फ्रूट पैक बनाकर आप अपनी खूबसूरती को और भी निखार सकती हैं।

दिन में खूब सारा पानी पीने से फर्क तो पड़ता ही है, पर साथ ही जरूरी है कि आप चेहरे पर फलों का रस भी लगाएं। इससे आपके चेहरे पर तत्काल निखार आ जाता है और त्वचा को पर्याप्त मात्रा में

पोषण भी मिलता है।

केला, सेब, पपीता, रुचिरा, तरबूज जैसे फलों से बना फेसपैक हर तरह की त्वचा पर लगाया जा सकता है। एन्जाइम से भरपूर पपीता मृत कोशिकाओं को हटा कर नई कोशिकाओं के निर्माण में मददगार होता है। केले से त्वचा में रौनक आती है। सेब और संतरा विटामिन और मिनरल से भरपूर होते हैं। रुचिरा एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट है। यह एजिंग प्रॉसेस को नियंत्रित करता है। तरबूज से त्वचा में पानी की पूर्ति होती है। इन फलों से बने फेसपैक को लगाने के 30 मिनट बाद चेहरे धो लें और फिर निखार देखें।

बालों के लिए जरूरी नहीं है कि आप हर बार पार्लर ही जाएं, क्योंकि अगर घर बैठे ही आपको बालों की देखभाल करने के नुस्खे पता लग रहे हैं, तो कोई इस मौके को कैसे मिस कर सकता है। इसके लिए उबली हुई चाय की पत्तियों को फिर से पानी में उबालें। उबालने के बाद आपके पास कम से कम चार कप चाय का पानी बचना चाहिए। इसे ठंडा होने दें और छान लें। इसमें एक नींबू का रस मिलाएं और इससे बाल धोएं।

शब्द सामर्थ्य -124

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

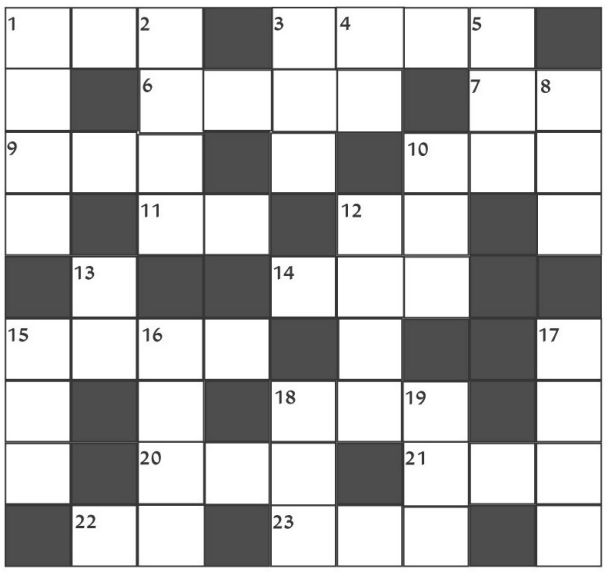

शब्द सामर्थ्य क्रमांक123का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

मिर्जापुर द फिल्म का धांसू टीजर हुआ रिलीज, बड़े पर्दे पर होगा भौकाल

मिर्जापुर द फिल्म की घोषणा कर दी गई है। फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर आखिरकार लंबे समय से चल रही अटकलों की पुष्टि करते हुए खुलासा कर दिया है कि मिर्जापुर पर फिल्म बनाई जा रही है। फिल्म निर्माता जो सीरीज के सह-निर्माता भी हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु का भौकाल देखने को मिल रहा है। फिल्म की घोषणा भी बिल्कुल मिर्जापुर स्टाइल में कि गई है। उन्होंने खुलासा किया कि छोटे पर्दे का जादू अब बड़े पर्दे पर भी छाएगा। वहीं मिर्जापुर द फिल्म की स्क्र में जबरदस्त बदलवा देखने को मिलने वाला है।

वेब सीरीज मिर्जापुर सीजन 3 की रिलीज के महीनों बाद निर्माताओं ने अब मिर्जापुर द फिल्म की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर प्राइम वीडियो इंडिया ने पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु पर आधारित एक वीडियो शेयर कर तहलका मचा दिया है। 2 मिनट से ज्यादा लंबे इस वीडियो में दिव्येंदु की वापसी का भी संकेत दिया गया है, जिन्होंने वेब सीरीज में मुन्ना त्रिपाठी का किरदार निभाया था। दूसरे सीजन में उनके किरदार को मार दिया गया था और तीसरे में व दिखाई नहीं दिए थे। इस बार मिर्जापुर की गद्दी के लिए गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया के बीच खतरनाक वॉर देखने को मिलने वाली है।

फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु के अलावा किसी भी कलाकार को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि पुराने कलाकार अपनी भूमिकाएं फिर से निभा सकते हैं। पहले ऐसी अफवाहें थीं कि ऋतिक रोशन कालीन भैया की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन ने क्राइम थ्रिलर का पहला सीजन नवंबर 2018 में और दूसरा सीजन अक्टूबर 2020 में रिलीज किया था। शो का तीसरा सीजन जुलाई 2024 में रिलीज हुआ था।

पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित, मिर्जापुर फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। इसमें पंकज (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित) और दिव्येंदु (मुन्ना) की वापसी होगी, साथ ही अभिषेक बनर्जी भी होंगे, जो सीरीज में कंपाउंडर की भूमिका में दिखाई दिए थे।

सई ताम्हणकर ने थिएटर को बताया महाराष्ट्रीयन संस्कृति का अभिन्न

अभिनेत्री सई ताम्हणकर मिमी, हंटर, दुनियादारी में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने मराठी समुदाय में थिएटर पर अपनी राय साझा की है। अभिनेत्री ने हाल ही में रिलीज अपनी ओटीटी सीरीज मनवत मर्डर्स की सफलता के बीच बात की।

थिएटर के मराठी संस्कृति का एक अभिन्न अंग होने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि मराठी थिएटर एक महाराष्ट्रीयन घर की दिनचर्या का हिस्सा है। दोपहर के भोजन के बाद मुझे याद है कि मेरे दादा-दादी हमेशा एक नाटक देखने की योजना बनाते थे और यह उनकी दिनचर्या का एक हिस्सा हुआ करता था। एक औसत मराठी घर में नाटक देखना हमारे खून में है। मराठी थिएटर में बहुत दर्शक हैं।

उन्होंने बताया कि अब भारत सिर्फ़ सीमा या मानदंड नहीं है, विभिन्न देशों में बहुत सारे नाटक खेले जाते हैं और मुझे खुशी है कि यह परंपरा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, पूरी दुनिया में यह पहुंच रहा है।

अभिनेत्री ने ऑस्कर नामांकित निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ 'मनवत मर्डर्स' में काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया। इस दौरान उन्होंने कहा वह बहुत ही अलर्ट व्यक्ति हैं। मैंने अपने जीवन में बहुत कम शालीन पुरुष देखे हैं और मुझे लगता है कि वह उनमें से एक हैं। वह एक अच्छे व्यवहार वाले इंसान हैं।

मैंने उन्हें कभी भी निर्देशक की दृष्टि को निर्देशित करते या पूछते नहीं देखा और यह उनके बारे में अविश्वसनीय रूप से सुंदर बात है। उनकी कल्ट-क्लासिक फिल्म 'हंटर' को रिलीज हुए लगभग एक दशक हो गया है। फिल्म पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने को बताया जब आप कोई फिल्म बना रहे होते हैं तो आप वास्तव में नहीं जानते कि भविष्य में उस विशेष फिल्म के लिए क्या है?

उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है। भले ही हंटर की रिलीज को नौ साल हो गए हों, हमारी टीम आज भी हर साल मिलती है। हम उस एक दिन के लिए पार्टी करते हैं, हम बस पुरानी यादों में वापस जाते हैं और उन यादों को फिर से जीते हैं।

अभिनेत्री ने अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में भी बात की। 'ग्राउंड जीरो' और 'डब्बा कार्टेल' के बारे में भी अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि ग्राउंड जीरो' लगभग तैयार है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। 'डब्बा कार्टेल' पोस्ट-प्रोडक्शन में है। यह प्रोजेक्ट वास्तव में खास है और मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

अभिनेत्री ने कहा मैं एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ तीसरी बार काम कर रही हूं। यह एक खूबसूरत प्रोडक्शन हाउस है। मैं इमरान हाशमी के साथ 'ग्राउंड जीरो' में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

मृणाल ठाकुर ने रिवीलिंग गाउन में ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज किसी भी पहचान की मोहतजा नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने बतौर टीवी एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत की थी और अब वो बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री में से एक हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर उनकी अदाओं को देखकर लट्टू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने गोल्डन कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।

मृणाल ठाकुर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बेहद खूबसूरत लग रही हैं आप। तीसरे यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। वो आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

22 नवंबर को सिनेमाघरों में री-रिलीज हो रही करण-अर्जुन

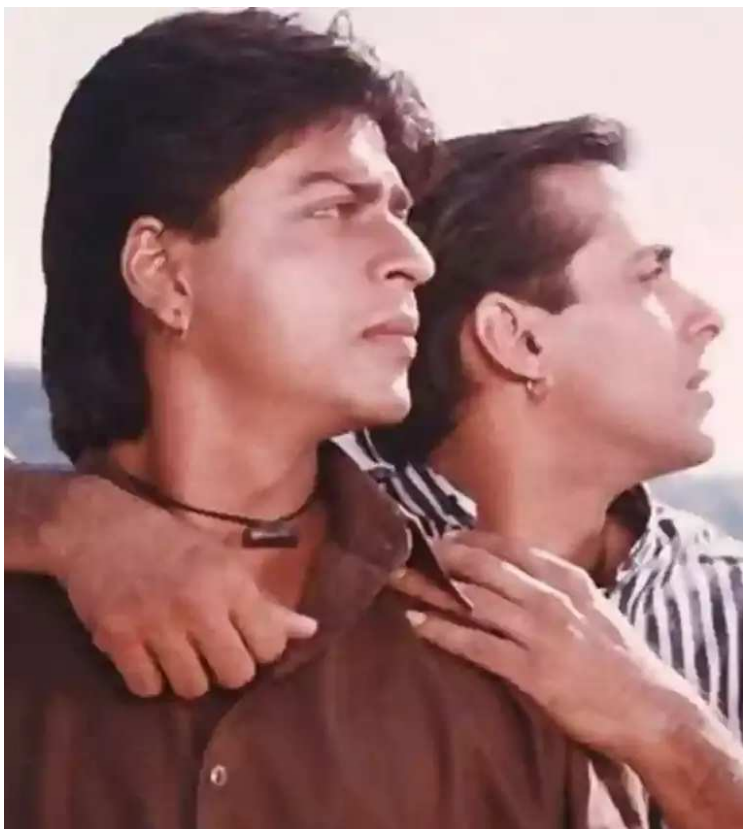

शाहरुख खान और सलमान खान स्टारर फैंटेसी एक्शन मसाला फिल्म करण अर्जुन को जो लोग सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे अब उनका सपना पूरा होने जा रहा है। 29 साल पुरानी फिल्म करण-अर्जुन थिएटर में री-रिलीज होने जा रही है। करण-अर्जुन के डायरेक्टर और ऋतिक रोशन के पिता राकेश रोशन अपनी इस कल्ट क्लासिक फिल्म करण अर्जुन को वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर उतार रहे हैं। इस बात की जानकारी सलमान खान के अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में दी है।

सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने और शाहरुख खान के फैंस को यह गुडन्यूज दी है। सलमान खान ने लिखा है, राखी जी ने फिल्म में सही कहा था कि मेरे करण अर्जुन आएंगे ।।। नवंबर 22 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में।

बता दें, इन दिनों सलमान खान की सिक्योरिटी बेहद टाइट है और दबंग खान ने बिश्नोई गैंग की धमकी के बीच अपनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म री-रिलीज का एलान किया है।

करण-अर्जुन की कहानी बेहद मार्मिक, इमोशनल और खौफनाक है। फिल्म शाहरुख खान ने अर्जुन तो सलमान खान ने करण का रोल प्ले किया है। राखी ने फिल्म में करण-अर्जुन की मां का शानदार किरदार निभाया है। फिल्म में अमरीश पुरी ठाकुर दुर्जन सिंह के खतरनाक विलेन रोल में हैं, जो राखी के करण-अर्जुन को मौत के घाट उतरवा देता है। वहीं, 25 साल बाद करण-अर्जुन का पुर्नजन्म होता है। शाहरुख खान को सपने में अपने पहले जन्म की जगह दिखाई देती हैं और फिर वह अपने दोस्त जॉनी लीवर के साथ उस जगह जाता है, जहां उसका पहला जन्म हुआ था।

यहां पहुंचने के बाद शाहरुख खान को अपनी और अपने भाई करण की मौत का सारा खेल समझ आ जाता है और फिर वह करण को इसी गांव में लाकर उसे बताता है कि हम पिछले जन्म में भाई-भाई थे और ठाकुर दुर्जन सिंह ने हमारी हत्या कर दी थी। वहीं, जब करण-अर्जुन 25 साल बाद अपने गांव में लौटते हैं, तो पूरा गांव के पैरों तले जमीन खिसक जाती है, वहीं, राखी गांव के काली मंदिर में 25 साल से यह तपस्या करती रहती है कि उसके करण-अर्जुन आएंगे। आखिर में राखी के करण-अर्जुन आते हैं और फिर अपनी मौत का बदला लेते हैं।

टैक्स चोरी करने वालों की मौज

अजीत द्विवेदी

किसी अज्ञात शायर का शेर है- विसाल ए यार से दूना हुआ इश्क, मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। यही हुआ है भारत में बड़े धूम धड़ाके से आधी रात को संसद बुला कर शुरू किए गए अप्रत्यक्ष कर सुधार के कानून, वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी के साथ। जैसे जैसे कानून पुराना हो रहा है वैसे वैसे टैक्स चोरी भी बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि जिस तरह से आधी रात को आजादी की घोषणा हुई थी उसी तरह जुलाई 2017 में नरेंद्र मोदी सरकार ने आधी रात को संसद बुला कर जीएसटी कानून लागू करने का ऐलान किया था।

इस कानून को अप्रत्यक्ष कर से जुड़ी तमाम गड़बडियों के लिए एकमात्र उपाय के तौर पर प्रस्तुत किया गया। केंद्र ने कितनी ही मेहनत करके सभी राज्यों को इसके लिए तैयार किया कि वे कर वसूलने का अपना अधिकार छोड़ दें और यह काम केंद्र को करने दें। कहा गया कि यह %एक देश, एक कर' की व्यवस्था है लेकिन हकीकत में यह एक देश, अनेक कर की पुरानी व्यवस्था का ही विस्तार है। वह एक अलग मसला है। कारोबारियों को हो रही समस्याएं भी एक बड़ा मसला है। लेकिन अगर सिर्फ टैक्स चोरी की बात करें तो यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि जिस मकसद से इस कानून को लागू किया गया था वह पूरा नहीं हो पा रहा है।

भारत सरकार की संस्था डीजीजीआई यानी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में जीएसटी की चोरी दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुई है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक अगर केंद्रीय जीएसटी में चोरी को जोड़ दें तो वित्त वर्ष 2023-24 की टैक्स चोरी 2.37 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। यानी अगर सरकार साल में 20 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इकट्ठा करती है तो उसके 12 फीसदी के बराबर टैक्स चोरी होता है! यह आंकड़ा कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बिहार जैसे विशाल राज्य का सालाना बजट 2.62 लाख करोड़ का होता है। यानी बिहार के बजट के लगभग बराबर जीएसटी की चोरी हुई है। भारत सरकार का बजट 40 लाख करोड़ रुपए का है। जीएसटी की चोरी उसके लगभग छह फीसदी के बराबर है। इतनी बड़ी टैक्स चोरी हो रही है और सरकार को पता होने के बावजूद वह कुछ नहीं कर पा रही है! चोरी रोकने की बजाय सरकार इस उधेड़बुन में है कि कैसे कुछ और वसूली बढ़ाई जा सके। तभी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने या रेशनलाइज करने के लिए बने मंत्री समूह की बैठक हुई तो उसमें जो फैसले हुए उनको लेकर बताया गया कि इससे सरकार को 10 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स मिलेगा। यानी सारे उपाय अतिरिक्त टैक्स हासिल करने के ही हो रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि जीएसटी की चोरी में सिर्फ निजी या फर्जी कंपनियां शामिल हैं। सरकारी कंपनियां भी टैक्स चोरी कर रहे हैं या छिपा रही हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनी को पिछले एक साल में टैक्स चोरी के अनेक नोटिस जा चुके हैं। बीमा कंपनियों के अलावा ई कॉमर्स कंपनियां, आईटी सेक्टर की कंपनियां, ऑनलाइन गेमिंग की कंपनियां, पान मसाला और गुटखा, सिगरेट बेचने वाली कंपनियां, सब टैक्स चोरी में शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने ही एक साल में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स की चोरी की है।

बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इश्योरेंस यानी बीएफएसआई भारत का सबसे संगठित सेक्टर है। जीएसटी की चोरी में यह सेक्टर दूसरे स्थान पर है। सोचें, देश का वित्तीय सेक्टर, जो इस समय आईटी के साथ साथ सबसे तेजी से बढ़ता सेक्टर है और जिसके क्लायंट की पूरी सूचना सेक्टर की कंपनियों के पास होती है वहां इतनी बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी हो रही है?

इतना बड़ा नेटवर्क खड़ा करने और इतना बड़ा तामझाम करने के बावजूद टैक्स चोरी कैसे हो रही है, यह समझना भी बहुत मुश्किल काम नहीं है। जिस तरह से पुराने सिस्टम में टैक्स चोरी होती थी उसी तरह इस सिस्टम में भी हो रही है। फर्जी इनवॉयस बना कर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट सरकार से वसूल रही हैं। इसके लिए लोगों के आधार कार्ड चुरा कर फर्जी कंपनियां खड़ी की जा रही हैं और उन कंपनियों के नाम पर फर्जी इनवॉयस बनाए जा रहे हैं। डिजिटल और ई कॉमर्स से जुड़ी कंपनियां भारत में रजिस्ट्रेशन नहीं करा रही हैं वे विदेशी रजिस्ट्रेशन पर ही काम कर रही हैं।

इसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली सेवाओं को गलत तरीके से वर्गीकृत किया जा रहा है और उनका टैक्स स्लैब घटा दिया जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां जुए की तरह लॉटरी वाले खेल चला रही हैं लेकिन उनको कौशल आधारित खेल की तरह पेश किया जा रहा है, जिससे सबसे ज्यादा टैक्स की चोरी हो रही है। इस सेक्टर में सबसे ज्यादा एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए की टैक्स चोरी हुई है। उसके बाद बीएफएसआई सेक्टर है, जिसमें टैक्स चोरी हुई। इसके अलावा सरकारी टेंडर से मिलने वाले कार्यों में या इलेक्ट्रोनिक सामानों में या सिगरेट, पान, गुटखा, तंबाकू आदि की बिक्री में जम के टैक्स चोरी हो रही है।

सवाल है कि जब सरकार ने जीएसटी का पूरा सिस्टम ऑनलाइन किया और डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था बनाई तो उन सबका क्या मतलब है अगर उनसे टैक्स चोरी नहीं रोकी जा रही है? वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले 2023-24 में जीएसटी की चोरी दोगुनी हो गई। तो क्या इससे सरकार की नींद नहीं खुलनी चाहिए? लेकिन सरकार क्या कर रही है, वह कारण बताओ नोटिस जारी कर रही है, जिसका कोई असर नहीं हो रहा है। इस साल मार्च में खत्म हुए वित्त वर्ष में 1.64 लाख करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के लिए करीब 24 सौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।

इनके जरिए टैक्स चोरी करने वालों को एकमुश्त स्वैच्छिक टैक्स भुगतान से मामला सेटल करने का प्रस्ताव दिया गया। फिर भी करीब 13 हजार करोड़ रुपए की ही वसूली हो पाई। टैक्स चोरी के काम में शामिल लोगों और लाभार्थियों में से करीब डेढ़ सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया लेकिन उसका भी कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि कोई मुकदमा आगे नहीं बढ़ा और बहुत से लोगों ने ऊपर की अदालतों से कार्रवाई पर रोक लगवा ली। सोचें, क्या कोई और सेक्टर हो सकता है, जिसमें एक साल में दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी हो जाए और सरकार कुछ न कर पाए?

पिछले वित्त वर्ष हर महीने औसतन 1.68 लाख करोड़ रुपए जीएसटी वसूला गया। इसका मतलब है कि सरकार एक महीने में जितना टैक्स वसूलती है उससे बहुत ज्यादा एक साल में चोरी हो जाता है। ऐसे सिस्टम का क्या फायदा? आम आदमी जीएसटी चुका कर परेशान है। उसके ऊपर बेतरह बोझ डाला गया है। अच्छे और सच्चे कारोबारी इस वजह से परेशान हैं कि इस कानून में यह प्रावधान किया गया है कि बिल जेनरेट करते ही यानी किसी से भुगतान के लिए उसको बिल बना कर भेजते ही उस पर लगने वाला जीएसटी जमा करना होता है। ईमानदार कारोबारी बिल बनाने के साथ ही जीएसटी जमा कर देता है लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं होती है कि उसको समय से बिल का भुगतान हो जाए। उसका जीएसटी का पैसा महीनों, सालों फंसा रहता है और भुगतान नहीं होता है। सो, एक तरफ आम आदमी और ईमानदारी कारोबारी दोनों परेशान हैं तो दूसरी ओर टैक्स चोरी करने वालों की मौज हो गई है। वे हर साल टैक्स चोरी की रकम दोगुनी करते जा रहे हैं और सरकार का सारा सिस्टम कुछ नहीं कर पा रहा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 124

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.123का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

महाराष्ट्र और झारखंड में मुकाबला बराबरी का!

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम का एलान हो गया है। हकीकत की रोशनी में देखें, तो दोनों राज्यों में मुकाबला बराबरी का है। जमीनी तैयारी और कारगर रणनीति वहां निर्णायक साबित होंगे। इसके बजाय माहौल पर निर्भर रहना आत्मघाती होगा।

एक खबर के मुताबिक राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं को आगाह किया है कि 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर वे जीत के अति आत्म-विश्वास में ना रहें। संभवत- इसी महीने हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी की हुई हार से गांधी ने यह सबक सीखा है। हरियाणा में जिस अति आत्म-विश्वास में पार्टी नजर् आई, आरंभ से ही उसका कोई आधार नहीं था। लोकसभा चुनाव में भाजपा जरूरत ढलान पर नजर आई, फिर भी उसे कांग्रेस दो प्रतिशत ज्यादा यानी 46 फीसदी वोट हासिल हुए थे। सीटें जरूर पांच-पांच दोनों दलों को मिल गई थीं। फिर भी कांग्रेस ने जमीनी तैयारी के बजाय सोशल मीडिया पर अपने समर्थकों के बनाए माहौल पर ज्यादा भरोसा किया। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी ने जातीय समीकरण एवं चुनाव प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया। नतीजा सामने है।

महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव नतीजों पर भी गौर करें, तो भाजपा नेतृत्व वाले महायुति को लगभग 44 फीसदी वोट मिले थे। कांग्रेस-शिवसेना-एनसीपी (शरद पवार) के महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के हिस्से में भी लगभग इतने वोट ही आए थे। अघाड़ी ने सीटें जरूर 30 जीत लीं, जबकि महायुति की झोली में 17 सीटें ही आईं। इससे महायुति की बड़ी हार की धारणा बनना लाजिमी था, लेकिन उसी सोच के साथ विधानसभा चुनाव में उतरना आत्मघाती हो सकता है। वैसे भी लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने जातीय समीकरण साधने और %रेवड़ी' बांट कर अपने लिए वोट जुटाने की प्रभावशाली कोशिश की है। दरअसल, राहुल गांधी को ऐसी ही सलाह झारखंड में अपने गठबंधन सहयोगियों को भी देना चाहिए, जहां 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। वहां हरियाणा जैसी हालत है। भाजपा ने 14 में से आठ सीटें जीतीं, लेकिन 2019 की तुलना में उसकी चार सीटें घटीं।

इस कारण उसकी हार की धारणा बनी। जबकि उसके पाले में लगभग 45 फीसदी वोट आए, जबकि इंडिया गठबंधन की झोली में बमुश्किल 39 प्रतिशत वोट गिरे। मतलब यह कि दोनों राज्यों में मुकाबला बराबरी का है। जमीनी तैयारी और कारगर रणनीति वहां निर्णायक साबित होंगे। इसके बजाय माहौल पर निर्भर रहना आत्मघाती साबित होगा।(आरएनएस)

लाल कपड़ों में ज्यादा आकर्षक लगेंगी आप!

क्या कभी आपने लाल कोट पहनकर फर्क अनुभव किया है। कहा जाता है कि लाल रंग का कोट पहनने से महिलाएं ज्यादा आकर्षक लगती हैं। साथ ही कहा जाता है कि लाल रंग का कोट पहनने से महिलाओं को उनका लव पार्टनर भी मिल सकता है।

लेकिन क्या ऐसा सच में होता है? इसी सवाल का जवाब जानने के लिए एक लेखक ने खुद लाल रंग का कोट पहनकर पूरा दिन बाहर गुजारा। हैरानी तब हुई जब उनको लोगों से काफी अच्छे कॉप्लीमेंट्स मिले। जो उनको दूसरे रंग के कपड़े पहनने पर कभी नहीं मिले थे। कुछ लोगों ने उन्हें खूबसूरत कहा, तो कुछ लोगों ने उनसे दोस्ती करने की इच्छा जताई।

जिसपर उन्होंने बताया कि ऐसा होने कि एक वजह यह भी है कि लाल रंग सभी में रंगों में सबसे अलग दिखता है। इस रंग में व्यक्ति ज्यादा खूबसूरत और आकर्षक लगता है। साथ ही यह रंग व्यक्तित्व में निखार लाने में अहम भूमिका भी निभाता है। उनका यह भी कहना कि लाल रंग के कपड़े पहनने से लोग आपकी तरफ ज्यादा आकर्षित होते हैं।

उनका यह भी कहना है कि फेस्टिव सीजन लाल रंग के कपड़े पहनने के लिए सबसे अच्छा समय होता है। फिस्टिव सीजन के मौके पर आप लाल रंग के कपड़े पहनकर लाखों की भीड़ में सबसे अलग दिख सकती हैं।

मुख्य सचिव ने सुनी दिव्यांगजनों की समस्याएं

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सोमवार को सचिवालय में अपने कार्यालय में आमजन विशेष रूप से दिव्यांगजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने प्रत्येक फरियादी की समस्या सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को जन शिकायतों के त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण हेतु निर्देश दिए।

15 लाख की स्मैक सहित महिला तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। बरेली से तस्करी कर लाई गयी 15 लाख की स्मैक सहित पुलिस ने एक महिला तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से स्मैक बेचकर कमाई गयी 20 हजार की नगदी भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज शहर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि लक्खीबाग चौकी क्षेत्रांतर्गत रेलवे स्टेशन से मद्रासी कॉलोनी जाने वाले रास्ते पर स्थित खण्डहर के पास एक संदिग्ध महिला स्मैक का कारोबार कर रही है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान की घेराबर्दी कर एक महिला को हिरासत में ले लिया। जिसके पास से लगभग 15.50 लाख रूपये मूल्य की 51.26 ग्राम स्मैक व स्मैक बेचकर कमाये गये 20,950 रूपये की नगदी बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम पिंकी देवी पत्नी रणवीर निवासी त्यागी रोड, मद्रासी कॉलोनी, रेस्ट कैम्प, कोतवाली नगर, देहरादून बताया। बताया कि वह बरामद स्मैक को बरेली से खरीदकर देहरादून लाती है। जिसे उसके द्वारा नशे के आदी स्थानीय व्यक्तियों तथा शिक्षण संस्थानों के छात्रों को बेचकर अच्छा मुनाफा कमाया जाता था। बहरहाल पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने रेलवे कालोनी से मद्रासी कालोनी जाने वाले रास्ते पर एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 51.26 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम पिंकी देवी पत्नी रणवीर सिंह निवासी त्यागी रोड मद्रासी कालोनी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा विहार कालोनी निवासी सुधांशु थपलियाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गांव गया था और जब वापस आया तो घर के दरवाजे का ताला टूटा देख तुरन्त 112 पर काल करके पुलिस को सूचना दी और तत्काल पुलिस आ गयी और घर का निरीक्षण किया। उसके बाद त्रिवेणी घाट पुलिस चौकी में चोरी की घटना की जांच हेतु उसने प्रार्थना पत्र दिया। उसके द्वारा एफआईआर दर्ज करने हेतु निवेदन करने पर एफआईआर दर्ज नहीं हो रही है उसका घर ऋषिकेश के विधायक के घर के सामने स्थित है शाम को मंत्री की सुरक्षा टीम भी उसके घर के सामने उपस्थित थी लेकिन चोर को पुलिस का कोई भय नहीं दिखाई दिया और चोर ने उसी समय चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वही दूसरी ओर हरी कुंज विजय पार्क निवासी माया दत्त जोशी ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने परिवार सहित शादी में अपने गांव मुन्धान कालसी गए थे जब वह घर पर वापस आए तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा चोरी ने उसके घर से सोने व चांदी के कुछ आभूषण व 60 हजार रूपये कैश चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दीपोत्सव में मुस्लिम नेताओं की उपस्थिति का विरोध

❑जिला प्रशासन द्वारा भेजे गए निमंत्रण पत्र
❑गंगा सभा व विहिप ने किया निर्णय का विरोध

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। धर्मानगर हरिद्वार में आज आयोजित किये जा रहे दीपोत्सव कार्यक्रम में मुस्लिम जनप्रतिनिधियों को बुलाये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य के जिला प्रशासन का कहना है कि प्रोटोकॉल के तहत सभी जनप्रतिनिधियों को निमंत्रण पत्र भेजे गए। जबकि गंगा सभा और विहित व अन्य हिंदू संगठन गंगा की पवित्रता व पुरानी परंपराओं को बनाए रखने के तहत इसका विरोध कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आज हरिद्वार में हर की पैड़ी सहित 52 गंगा घाटों पर राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत गंगा घाटों को तीन लाख दीप प्रज्वलित कर रोशन किया जाएगा। इस अवसर पर एक भजन संध्या और द्रोण प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत 4 बजे शाम से होगी तथा देर रात तक यह कार्यक्रम चलेगा। जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहेंगे। जिला प्रशासन ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों को निमंत्रण भेजे हैं जिसमें मुस्लिम समुदाय के भी जनप्रतिनिधि शामिल हैं।

नगर निगम हरिद्वार के वाईलाज के अनुसार गंगा घाटों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों का प्रवेश वर्जित है। इसी आधार पर गंगा सभा और विहिप तथा अन्य सामाजिक संगठन प्रशासन के इस कार्य का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है की गंगा की पवित्रता और पुरानी परंपराओं को अक्षुण रखा जाना चाहिए। इस विवाद को लेकर पूर्व सीएम हरीश रावत का कहना है कि वह कोई टिप्पणी करना नहीं चाहते हैं। लेकिन इसके साथ ही वह कहते हैं कि हमारे मुस्लिम जनप्रतिनिधियों ने हमेशा गंगा की पवित्रता को बनाए रखने में सहयोग किया है। भाजपा के नेताओं द्वारा जिस तरह के मुद्दे खड़े किए जा रहे हैं वही जान सकते हैं कि वह प्रदेश को कैसा बनाना चाहते हैं और कहां ले जा रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि तत्कालीन राज्यपाल अजीज कुरैशी ने भी एक बार गंगा आरती में शामिल होने का कार्यक्रम बनाया था लेकिन गंगा सभा के विरोध के बाद उन्होंने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया था। हो सकता है कि विरोध व विवाद से बचने के लिए कोई मुस्लिम जनप्रतिनिधि इस कार्यक्रम में खुद ही शिरकत न करें।

सरकार सेवा विस्तार को कर रही उद्योग के रूप में विकसित:उपाध्याय

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय उपाध्यक्ष जय प्रकाश उपाध्ययाय ने कहा कि सरकार सेवा विस्तार को राज्य में उद्योग के रूप में विकसित कर रही है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उपाध्याय ने कहा कि धामी सरकार भ्रष्ट अधिकारी को सेवा विस्तार देना बंद करे और जिन अधिकारियों को सेवा विस्तार दिया गया है उनका सेवा विस्तार तत्काल प्रभाव से रदद करने के आदेश जारी करे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने सेवा विस्तार को राज्य में उद्योग के रूप में विकसित कर दिया है इससे यह प्रतीत होता है कि उत्तराखण्ड सरकार में बैठे मंत्री और सचिव सेवा विस्तार अनैतिक लाभ लेकर भ्रष्ट अधिकारियों को सेवा विस्तार दे रहे हैं जिसको उत्तराखण्ड क्रांति दल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने मांग की है कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों की तत्काल जांच के लिए कमेटी बनाकर जांच कराये और उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार के लिए जनता के सम्मुख श्वेत पत्र जारी करे। समस्त अधिकारियों के चल और अचल सम्पत्ति के शपथ पत्र सरकार जमा करने के आदेश जारी करे। युवा उक्रांद के केन्द्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट ने कहा कि सरकार का ध्यान बिल्कुल भी उत्तराखण्ड के बेरोजगार युवाओं के प्रति नहीं है। यदि उत्तराखण्ड सरकार उत्तराखण्ड क्रांति दल के इस प्रस्ताव पर अमल नहीं करती है तो सरकार के खिलाफ जल्द हल्ला बोल अभियान जारी किया जायेगा जिन अधिकारियों का सेवा विस्तार किया गया उनकी सूची ली जा रही है। उन्होंने कहा कि निदेशालय स्तर के अधिकारियों के सेवा विस्तार के कारण क्षमतावान अधिकारियों का मनोबल गिरता है। उन्होंने कहा कि सेवा विस्तार की वजह से योग्य अधिकारियों को मौका नहीं मिल पा रहा है। इस प्रकार नये और ऊर्जावान अधिकारियों को सरकार आगे नहीं लाना चाहती है। केवल भ्रष्टाचार में साथ देने वाले अधिकारियों को जिम्मेदारियां देना चाहती है ताकि वह मन माफिक भ्रष्टाचार कर सकें।

अब पिथौरागढ़ में मिलेंगे सीएम से पंचायत सदस्य

संवाददाता

पिथौरागढ़। त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल दो वर्ष बढाने की मांग को लेकर पंचायत सदस्य पिथौरागढ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करेंगे।

आज यहां उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के राज्य संयोजक जगत मर्तोलिया ने बताया कि उत्तराखंड के 12 जिलों के त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ाने की मांग को लेकर 13 तथा 14 नवंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सीमांत जिले में संगठन का प्रतिनिधिमंडल मुलाकात करेगा। समय के लिए जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी के माध्यम से सीएम कार्यालय को पत्र भी प्रेषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि संगठन सीएम धामी से गृह जनपद के जौलजीबी मेले में दो वर्ष का कार्यकाल बढ़ाए जाने की सार्वजनिक घोषणा करवाने के लिए गोटिया बिछा रहा है। इस अवसर पर इस जिले के साथ ही आस पास के 35 हजार त्रिस्तरीय पंचायत के निर्वाचित सदस्यों को जौलजीबी बुलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

❑दो वर्ष कार्यकाल बढ़ाए जाने की है मांग

धामी का 13 नवंबर को जिले में आने का प्रस्तावित कार्यक्रम बन रहा है। मुख्यमंत्री को 14 नवंबर को जौलजीबी में मेले उद्घाटन करेंगे। 13 नवंबर को मुख्यमंत्री से पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय में मुलाकात की जाएगी। इसके लिए आज डीएम के माध्यम से सीएम कार्यकाल को अनुरोध पत्र भेज दिया गया है। इस मुलाकात में एक बार फिर मुख्यमंत्री के सम्मुख अपनी मांग के पक्ष के संवैधानिक आधारों को प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से अनुरोध किया जाएगा कि वे अपनी मातृभूमि पिथौरागढ़ में 14 नवंबर को जौलजीबी मेले के शुभ अवसर पर 2 वर्ष का कार्यकाल प्रशासक समिति के माध्यम से बढ़ाए जाने की ऐतिहासिक घोषणा कर 12 जिलों के 70 हजार त्रिस्तरीय पंचायत के सदस्यों को सौगात दे। इस घोषणा के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राष्ट्र एक चुनाव के सपने के क्रम में उत्तराखंड में एक राज्य एक पंचायत चुनाव की वर्षो पुरानी मांग भी पूरी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर जनपद की समस्त ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा जिला पंचायत सदस्यों की उपस्थित रहेंगे।

एक नजर

कुछ लोग समाज को बांटने की रच रहे साजिश, मिलकर करना होगा नाकामः पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री स्वामीनारायण मंदिर, वडताल की 200वीं वर्षगांठ के मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, जाति, धर्म, भाषा, ऊंच-नीच, पुरुष-महिला, गांव-शहर के आधार पर समाज को बांटने की साजिश चल रही है। यह जरूरी है कि हम राष्ट्रीय दुश्मनों की इस कोशिश की गंभीरता को समझें, संकट को समझें और हम सबको मिलकर ऐसी हरकत को परास्त करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि जब मैं गुजरात में था, तो संतों का सानिध्य और सत्संग मेरे लिए सहज उपलब्ध रहता था। मेरे लिए सौभाग्य का पल होता था, मैं भी उस पल को जी भर के जीता था। स्वामी नारायण भगवान की कृपा से आज भी किसी न किसी रूप में कई अवसरों पर संतों के आशीर्वाद का सौभाग्य मिलता रहा है। पीएम मोदी ने कहा, मैं

हृदय से आप सबके बीच ही हूं। मेरा मन अभी पूरी तरह से वडताल धाम में ही है। जब-जब भी मुश्किल समय आया है, कोई न कोई संत, महात्मा उसी काल में अवतरित हुआ। भगवान स्वामी नारायण का आगमन एक ऐसे समय में हुआ था, जब देश कमजोर हो चुका था। अपने आप में विश्वास खो चुका था। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे संत-महात्माओं ने हर युग में मनुष्यों को जीवन के उद्देश्यों से साक्षात्कार कराया है। संत-महात्माओं का हमारे समाज को बहुत बड़ा योगदान रहा है। जब किसी उद्देश्य की पूर्ति करनी होती है, तो पूरा समाज एकजुट हो जाता है, तो वो जरूर पूरा होता है।

जस्टिस संजीव खन्ना ने ली 51वें चीफजस्टिस के रूप में शपथ

नई दिल्ली। जस्टिस संजीव खन्ना ने आज सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ले ली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जस्टिस संजीव खन्ना को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 51वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ दिलाई। उनसे पहले इस पद से जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए। जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल छह महीने (13 मई 2025) तक रहेगा। नए चीफ

जस्टिस की बेंच के पास कई बड़े मामले से पेंडिंग हैं। इनमें बिहार में जातीय जनगणना की वैधता, पीएम मोदी से जुड़ी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री जैसे बड़े केस शामिल हैं। चीफ जस्टिस के सामने इन केसों के निस्तारण की चुनौती भी रहेगी। जस्टिस संजीव खन्ना को स्पष्ट फैसले लिखने के लिए जाना जाता है और उन्होंने अपने कार्यकाल में कई बड़े और चर्चित मामलों में ऐतिहासिक फैसले सुनाए हैं। 14 मई, 1960 को जन्मे न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का कानूनी करियर चार दशकों से भी अधिक समय तक शानदार रहा है। जस्टिस संजीव खन्ना 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में शामिल हुए, उन्होंने शुरुआत में तीस हजारी स्थित जिला न्यायालयों में और बाद में दिल्ली उच्च न्यायालय तथा विभिन्न न्यायाधिकरणों में वकालत की।

'कोई भी धर्म प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता'

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री और उपयोग को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया है , न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि ष्कोई भी धर्म प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता है। अगर इस तरह से पटाखे जलाए जाते हैं तो इससे नागरिकों के स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार पर भी असर पड़ता है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने पूछा कि पटाखों के निर्माण, बिक्री और फोड़ने पर प्रतिबंध केवल अक्टूबर और जनवरी के बीच ही क्यों लागू होते हैं? पूरे साल के लिए क्यों नहीं? कोर्ट ने कहा, केवल कुछ महीने ही क्यों? वायु

प्रदूषण तो पूरे साल बढ़ता रहता है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ को बताया कि मौजूदा आदेश त्योहारी सीजन और उन महीनों में वायु प्रदूषण पर केंद्रित है जब दिल्ली में प्रदूषण अधिक रहता है। पीठ इससे सहमत नहीं थी। कोर्ट ने सुझाव दिया कि स्थायी प्रतिबंध पर विचार किया जाना चाहिए। कोर्ट ने दिल्ली सरकार द्वारा 14 अक्टूबर को जारी आदेश पर भी नाराजगी जताई। इसमें पटाखों के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन चुनाव और विवाह जैसे आयोजनों के लिए छूट दी गई थी। कोर्ट ने पूछा, आपके आदेश में कहा गया है कि चुनाव, विवाह आदि के दौरान पटाखे जलाए जा सकते हैं?

यूजेवीएनएल में नियम विरुद्ध हुई हैं नियुक्तियां: बॉबी

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार ने कहा कि ऊर्जा विभाग के यूजेवीएनएल में 2001, 2003 एवं 2003 में जूनियर इंजीनियर एवं सहायक अभियंता के पदों पर नियम विरुद्ध तरीके से नियुक्त हुए जूनियर इंजीनियर अब सहायक अभियंता और सहायक अभियंता अब अधिशासी अभियंता बन चुके हैं।

आज टिहरी संसदीय सीट से पूर्व सांसद प्रत्याशी एवं उत्तराखंड बेरोजगार संघ के प्रदेश अध्यक्ष बॉबी पंवार ने परेड ग्राउण्ड स्थित एक क्लब में पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रदेश के ऊर्जा विभाग के यूजेवीएनएल में 2001, 2003 एवं 2003 में जूनियर इंजीनियर एवं सहायक अभियंता के पदों पर नियम विरुद्ध तरीके से नियुक्त हुए जूनियर इंजीनियर अब सहायक अभियंता और सहायक अभियंता अब अधिशासी अभियंता बन चुके हैं। जिनमें से कई जीएम- डीजीएम भी बन चुके हैं। वहीं वर्ष 2005 में अधिशासी अभियंता की सीधी भर्ती निकाली गई जबकि सीधे अधिशासी अभियंता के पदों पर विज्ञापन का कोई प्रावधान ही नहीं है। विज्ञापन के बाद राजीव कुमार सावण और सुजीत कुमार सिंह नियुक्त हुए और उसके बाद बोर्ड ने इसी विज्ञापन के माध्यम से 2 सहायक अभियंताओं राजीव कुमार और मनमोहन बलोदी को नियुक्ति दे दी। लगभग 6 माह बाद राजीव कुमार श्रावण ने अधिशासी अभियंता के पद से त्याग पत्र दे दिया तथा सीट रिक्त हो गई। परन्तु फिर बोर्ड द्वारा नियमाविरुद्ध तरीके से 2006 में सुनील कुमार जोशी को अधिशासी अभियंता पद पर तैनात कर दिए गया जो वर्तमान समय में लखवाड़-व्यासी परियोजना के जीएम हैं ऐसे ही वर्तमान समय में विभिन्न परियोजनाओं में दर्जनों अधिशासी अभियंता, जीएम- डीजीएम बने हुए हैं और अरबों रुपए की संपत्ति अर्जित कर चुके हैं। वहीं ऊर्जा विभाग के सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम ने सेवानिवृत्त होने के बाद कई अधिकारियों को दो- दो वर्ष का सेवा विस्तार दे दिया है जिसमें अनिल कुमार यादव एम डी यूपीसीएल, सुरेन्द्र चंद्र बलूनी डायरेक्टर प्रोजेक्ट यूजेवीएनएन और संदीप सिंघल एमडी यूजेवीएनएन आदि सम्मिलित हैं। बॉबी पंवार ने कहा कि वह इन्हीं सब मुद्दों पर भी ऊर्जा सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम से चर्चा करना चाहते थे किंतु उससे पूर्व ही सचिव के साथ उनकी कहा सुनी हो गई और इसीलिए अब ये मुद्दे जनता के सम्मुख लाए जा रहा हैं।

बॉबी पंवार ने कहा कि यदि प्रदेश में इसी तरह नियमाविरुद्ध तरीके से सब कुछ चल रहा है तो प्रदेश के लाखों बेरोजगारों को भी नियुक्तियां दें वरना इस सेवा विस्तार परिपाटी को समाप्त करते हुए ऊर्जा विभाग में अब तक हुई समस्त नियुक्तियों की जांच सीबीआई से कराने की मांग भी की और इस मुद्दे को लेकर न्यायालय की शरण में जाने तथा स्वयं एवं प्रदेश के अन्य बेरोजगारों से भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसी परिपाटी से रोजगार देने सम्बंधी पत्र भेजने का आह्वान किया। इस मौके पर उत्तराखंड बेरोजगार संघ के उपाध्यक्ष राम कंडवाल एवं प्रदेश प्रवक्ता सुरेश सिंह, संजय सिंह, जसपाल चौहान, अखिल तोमर इत्यादि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतका की बेटी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धारावाली निवासी अनामिका ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां मायादेवी थी जोकि चद्रंमणि चौक के पास पैथोलॉजी में कार्यरत थी । वह शाम लगभग 6 बजे रोज की तरह वापस घर आ रही थी। रास्ते में चद्रंमणि चौक के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने उसकी मां को रोड क्रॉस करते हुए टक्कर मार दी जिस कारण उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई वहाँ मौजूद भीड़ मे से कोई व्यक्ति उसकी मां को श्री महंत इन्द्रेश हास्पिटल पटेलनगर ले आए। किसी अनजान व्यक्ति से पता चला कि चद्रंमणि चौक पर एक औरत का एक्सीडेंट हुआ है जिसे महंत इन्द्रेश हास्पिटल ले कर गये है। जब वह हास्पिटल मे गई तो उसकी मां -मायादेवी गंभीर रूप से घायल बैड पर थी और उस समय उनके साथ वहाँ कोई भी मौजूद नही था। उसने वहाँ पहुँचकर अपनी मां का इलाज शुरू करवाया। इलाज के दौरान मेरी माँ की मुत्यु हो गई।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

धोखाधड़ी का आरोपी दिल्ली से दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लाट अपने नाम करने व गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने रोहिणी दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार नवोदय चौक शिवालिक गंगा विहार रोशनाबाद निवासी एक व्यक्ति द्वारा बीते वर्ष 23 नवम्बर को कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया था कि चार लोगों ने उनकी मां के साथ धोखाधड़ी से फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लाट अपने नाम करा लिया है तथा विरोध जताने पर वह उन्हे जान से मारने की धमकी दे रहे है।

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जिनमें से पुलिस ने आज एक आरोपी शिवा पुत्र

मुरली निवासी गंगा विहार कॉलोनी थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार को रोहिणी दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दुकान से गैस सिलेण्डर चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान से गैस सिलेण्डर चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलीला ग्राउण्ड विकासनगर निवासी अंकित शर्मा ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी क्षेत्र में ही फास्ट फूड की दुकान है। आज जब वह दुकान से बाहर गया तो वापस आने पर उसने देखा कि दुकान से गैस सिलेण्डर गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।